



यु. मंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को शेखावाटी के दौरे पर रहे। उन्होंने यहाँ चार जगहों पर यमुना पानी समझौते को लेकर आयोजित धन्यवाद सभाओं को संबोधित किया। इस मौके पर उनके साथ यू.डी.एच. मंत्री झाबर सिंह खर्रा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत भी मौजूद थे।

‘शेखावाटी के तीनों जिलों को यमुना से पेयजल और सिंचाई का पानी मिलेगा’

मुख्यमंत्री भजनलाल ने शेखावाटी में यमुना पानी समझौते पर आयोजित धन्यवाद सभाओं में कहा

खेतड़ी/नवलगढ़, 2 मार्च (निर्स)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को शेखावाटी क्षेत्र के दौरे पर रहे। उन्होंने खेतड़ी नगर, नवलगढ़ तथा अजीतगढ़ थाना क्षेत्र के गठ टकनेत ग्राम पंचायत के बामरला जोहडा में यमुना पानी समझौते को लेकर आयोजित धन्यवाद सभा को संबोधित किया। यहां पर लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया तथा जगह-जगह मालाएं पहनाकर आभार प्रकट किया।

ऐतिहासिक यमुना जल समझौते को लेकर झुंझुनू के नवलगढ़ में आयोजित धन्यवाद सभा में भजनलाल शर्मा पूरे आक्रामक अंदाज में नजर आए। उन्होंने ना केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गारंटी पूरी करने वाला एकमात्र नेता बताया, बल्कि वाजपेयी के कार्यकाल में हुए कार्यों को भी गिनाते हुए राहुल गांधी से लेकर अशोक गहलोत तक पर निशाने साधे।

मुख्यमंत्री यमुना पानी को लेकर कहा कि शेखावाटी के तीनों जिलों को पानी मिलेगा। पीने का पानी और सिंचाई

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और कहा, अशोक गहलोत की खुद की गारंटी नहीं थी, पर वो चुनाव से पहले गारंटियां दे रहे थे। सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी जी ही हैं, जो गारंटी की गारंटी दे सकते हैं।

का पाना दाना। मलगा राजस्थान अपन हिस्से का 1917 क्यूसेक पानी पूरा लेगा। इसमें कहीं कोई शंका नहीं है।

नवलगढ़ में यमुना जल धन्यवाद सभा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, नवलगढ़ विधायक विक्रमसिंह जाखल, भाजपा जिला प्रभारी केडी बाबर, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज, जिलाध्यक्ष पवन मांवांडिया, पूर्व विधायक शुभकरणा चौधरी, नवलगढ़ के पूर्व चेयरमैन व सैनी समाज संस्था अध्यक्ष सुरेंद्र फूलवाला, जिला मंत्री महेंद्र चंदाव, उदयपुरवाटी प्रधान माया कुरवा, बगड पालिका चेयरमैन गोविंदसिंह राठीड आदि मंचस्थ रहे। इसी प्रकार खेतड़ी नगर के नेहरू

धर्मपाल गुर्जर, झुंझुनू सांसद नरेंद्र खीचड़, सुरजागढ़ के पूर्व विधायक सुभाष पूनिया, पूर्व विधायक हजारीलाल गुर्जर, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, जिलाध्यक्ष पवन मांवांडिया, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, दिनेश धावाड़, रतन सिंह तंवर, जिला महामंत्री पूनम धर्मपाल गुर्जर, मोहनलाल गुप्ता, राजेश दहिया मंच पर मौजूद रहे।

खेतड़ी के विकास को लेकर विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर ने मुख्यमंत्री के अवसर सभा के दौरान 8 मांगें रखीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जल्द उनकी जानकारी बुटा कर पूरा करवाने का आश्वासन दिया।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने शनिवार को अजीतगढ़ थाना क्षेत्र के गठ टकनेत ग्राम पंचायत के बामरला जोहडा में ई.आर.सी.पी. योजना की सीमागत को लेकर धन्यवाद सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने भी सभा को संबोधित किया।

‘अंबानी के लिए देश की प्रतिष्ठा और सार्वजनिक नियमों को ताक पर रख दिया सरकार ने’

नई दिल्ली, 2 फरवरी (वार्ता)। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार कायदे कानून ताक पर रखकर पूंजीपतियों को सुविधा उपलब्ध कराती है और इसका ताजा उदाहरण उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे का विवाह अवसर है जब सरकार ने जामनगर हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय स्तर प्रदान कर दिया।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जय राम रमेश ने यहां जारी बयान में आज कहा कि पूंजीपति मित्रों को मदद करने की बात आती है तो मोदी कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। अरबपति मुकेश अंबानी के बेटे के विवाह के लिए जामनगर हवाई अड्डे को 10 दिन के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित कर दिया है। शादी में आने वाले मेहमानों को असुविधा न हो इसके लिए करदाताओं के पैसे से यात्री टर्मिनल के आकार को दोगुना करने को कहा गया। जामनगर हवाई अड्डा, पाकिस्तान की सीमा के नजदीक है और देश की सुरक्षा

कांग्रेस ने कहा है कि, अंबानी परिवार के मेहमानों के विमान एयरपोर्ट पर उतर सकें इसके लिए जामनगर हवाई अड्डे को 10 दिन के लिए इंटरनेशनल एयरपोर्ट का दर्जा दिया गया है

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जय राम रमेश ने कहा कि, पूंजीपति मित्रों को मदद करने की बात आती है तो मोदी कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं।

मुकेश अंबानी के बेटे के विवाह के लिए जामनगर हवाई अड्डे को 10 दिन के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित कर दिया है। शादी में आने वाले मेहमानों को असुविधा न हो इसके लिए आम जनता के पैसे से यात्री टर्मिनल के आकार को दोगुना करने को कहा गया।

के लिहाज से संवेदनशील है। इसके बावजूद विवाह समारोह में आने वाले मेहमानों के प्राइवेट जेट्स के लिए वायु सेना के इस संवेदनशील तकनीकी क्षेत्र को इस्तेमाल करने की इजाजत दी गई है। उन्होंने कहा, “मोदी ने पूरा राजनीति करियर अपने अरबपति मित्रों की मदद करने में बिताया है। हाल का उदाहरण है जब उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि निजी हाथों को जाने वाले सभी छह एयरपोर्ट अडानी के पास जाएं। दो कंपनियों को भारत के 90 प्रतिशत एयरलाइन मार्केट पर कब्जा करने की इजाजत दी गई। और कॉर्पोरेट्स के 14.5 लाख करोड़ रुपए के लोन माफ़ कर दिए गए।”

प्र.मंत्री मोदी ने टी.एम.सी....

(प्रथम पृष्ठ का शेष) भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में बंद हैं। ये लोग अब सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के सुपरिचित “लोगो” हैं। प्रधानमंत्री ने चुनावी माहौल की शुरुआत कर दी है, लेकिन राज्य भाजपा को इस माहौल को बनाए रखने और उनसे कोई उपलब्धि हासिल करने में कठिनाई आएगी। सत्तारूढ़ तृणमूल पर चले दुराचार के आरोपों को देखते हुए यह कोई दुष्कर कार्य नहीं होगा।

यह संयोग ही है कि आगामी लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा उम्मीदवारों की पहली लिस्ट की घोषणा ने तृणमूल, माकपा तथा राज्य की कांग्रेस इकाई को विस्मित कर दिया है क्योंकि, भाजपा की पहली सूची में पश्चिम बंगाल के 20 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र भी शामिल हैं। लोकसभा चुनावों की अधिसूचना जारी होने से पूर्व ही प्रत्याशियों की घोषणा करने से भाजपा चुनावी तैयारियों में सबसे आगे रहेगी। उसे जमीनी आधार तैयार करने और चुनावी तैयारियों करने के लिए अन्य पार्टियों की बनिस्पत अधिक समय मिलेगा। बंगाल की पार्टियां अपने प्रत्याशियों के लोकर

फिलहाल बिल्कुल स्पष्ट नहीं है क्योंकि इन पार्टियों में अंदरूनी कलह परचान पर है।

राज्य की अस्तित्व पार्टियां अब एक स्वर में कह रही हैं कि चुनावों की तिथि की घोषणा होने से पूर्व ही प्रत्याशियों की घोषणा की जा रही है।

केन्द्र में सत्तारूढ़ भापा बंगाल के दुष्कर कार्य से भी काफ़िर है। बंगाल में जब से वामदल सत्ता पर काबिज हुए, उसके बाद कई दशकों से कोई स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए हैं। बूथ कैरचरिंग और डरावने-धमकाने का एक चलन बन गया है, जिससे जनता अपने स्वतंत्र विचल्प को जगह ही चुन पाती है। इस बीच, केन्द्र सरकार ने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव करने को लेकर बंगाल में सेना भेज दी है। केन्द्रीय सुरक्षा बलों ने अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने को लेकर वहां फ़ैलाग भर्ष भी शुरू कर दिया है। केन्द्रीय सुरक्षा आयोग की एक टीम राज्य के मुख्य चुनाव आयुक्त से प्रथम दौर की बातचीत करने के लिए पहले ही बंगाल पहुंच चुकी है। कल होने वाली इस मीटिंग में राज्य के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी भी शामिल होंगे।

राहुल की न्याय यात्रा धौलपुर पहुंची, पायलट ने किया स्वागत

धौलपुर, 2 मार्च (का.प्र.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शनिवार दोपहर को 5 दिन के विश्राम के बाद शनिवार से फिर शुरू हो गई। धौलपुर में ही 25 फरवरी को यात्रा का विश्राम हुआ था। यात्रा की फिर से शुरुआत के लिए राहुल गांधी दिल्ली से दोपहर को हेलीकॉप्टर से धौलपुर पहुंचे। इसके बाद राजाखेड़ा बाईपास से खुली गाड़ी से रोड शो की शुरुआत हुई। करीब 3 किलोमीटर तक राहुल गांधी ने धौलपुर में रोड शो किया। इसके बाद यात्रा मध्य प्रदेश के मुरैना जिले की सीमा में प्रवेश कर गई। मध्य प्रदेश की सीमा पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को कांग्रेस का झंडा सौंपा। यहां राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रभारी सुखचिंदर सिंह रंधावा और मध्य

- राहुल की झलक पाने के लिए शहर में भारी भीड़ देखी गई, जिसमें आस-पास के ग्रामीण बड़ी संख्या में थे।
- धौलपुर से यात्रा मध्य प्रदेश, मुरैना में प्रवेश कर गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा ने मध्य प्रदेश पी.सी.सी. प्रमुख जीतू पटवारी को कांग्रेस ध्वज सौंपा।
- दोपहर बाद रोड शो हुआ, जिसमें पायलट शामिल नहीं हुए। अशोक गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा, प्रभारी रंधावा व क्षेत्रीय विधायक रोड शो में देखे गए।

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ सहित मध्यप्रदेश के प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह भी मौजूद थे। कांग्रेस के महासचिव सचिन पायलट भी राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने शनिवार को धौलपुर पहुंच गए थे, सर्किट हाउस में मौजूद थे। इसी के साथ सचिन पायलट ने राहुल गांधी का स्वागत किया,

लेकिन दोपहर के बाद राहुल गांधी का रोड शो शुरू हुआ, तो सचिन पायलट उनके साथ दिखाई नहीं दिए। राहुल गांधी के साथ रोड शो के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रभारी सुखचिंदर सिंह रंधावा राहुल गांधी के साथ उनकी गाड़ी में मौजूद रहे। रोड शो में राजाखेड़ा विधायक

सत्यपाल मलिक होंगे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) व उससे भी आगे के क्षेत्र में मध्यम दर्जे के मतदाताओं व किसानों में इनका जबरदस्त प्रभाव है। इससे पूर्व मलिक वर्ष 1989-91 के बीच जनता दल के सांसद के रूप में संसद में अलीगढ़ का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं परंतु वे समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार के बतौर वर्ष 1996 में भाजपा की शौला गौतम से चुनाव हार गए थे। जयंत चौधरी पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पोते हैं वे मोदी से इसलिए प्रभावित हुए हैं क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने चरण सिंह को भारत रत्न सम्मान से अलंकृत किया है जबकि मलिक ने दावा किया कि, उन्होंने चरण सिंह से प्रभावित होकर ही चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया है।

मलिक की उम्मीदवारी का सम्पूर्ण पश्चिमी उत्तर प्रदेश की दर्जन भर से भी अधिक लोकसभा सीटों पर चुनावी प्रभाव पड़ेगा। इस क्षेत्र में जाटों की आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा निवास करता है और वे इस क्षेत्र में काफी मुखर तथा सामाजिक रूप से प्रभावकारी अहमियत रखते हैं। अन्य जातिगत समुदाय जैसे जाटव या अनुसूचित जातियां एवं मुस्लिम भी इन निर्वाचन क्षेत्रों में मायने रखते हैं जो बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती के अनुयायी समर्थक हैं।

सपा के आंतरिक सूत्रों ने कहा कि, मलिक कभी भी पार्टी के प्रस्ताव से विमुख नहीं हुए या उन्होंने सीधे तौर पर इनकार नहीं किया। अभी तक अलीगढ़ की लोकसभा सीट पर पार्टी ने उम्मीदवारी की घोषणा नहीं की है जबकि उत्तर प्रदेश की 27 सीटों पर पार्टी की पहली उम्मीदवारी की घोषणा कर चुकी है और इंडिया ब्लॉक गठबंधन के तहत उत्तर प्रदेश में 17 सीटें कांग्रेस को लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए दी है।

चुनावों में रेल्वे के कार्यापलट पर फोकस करेगी भाजपा

—श्रीनंद झा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 2 मार्च। भारत के पूर्वी और पश्चिमी छोर पर एक लाख चौबीस हजार करोड़ रुपये की लागत से, माल ढुलाई के लिए समर्पित 2843 किलोमीटर लंबा रेल कॉरिडोर पूरा होने के कगार पर है। अगले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे देश को समर्पित करेंगे।

वर्ष 2019 में सड़क निर्माण, यदि भाजपा के विकास अभियान का केन्द्र बिन्दु था तो इस वर्ष के चुनावों में, स्पष्ट रूप से यह रेलवे के कार्यापलट पर केन्द्रित होता दिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विभिन्न सूत्रों के अपने दौरों में नई रेल योजनाओं की घोषणा कर रहे हैं। उनका मुख्य फोकस प्रीमियर बन्दे भारत ट्रेनों पर है।

रेल मंत्रि अश्विनी वैष्णव ने कहा कि, अगले कुछ वर्षों में, 1000 अमृत ट्रेनों, जो कि बन्दे भारत ट्रेनों से कम लागत की हैं, की शुरुआत की जाएगी। देश में आधारभूत संरचनाओं की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक, माल ढुलाई के लिए समर्पित कॉरिडोरों की लागत और पूर्ण होने का समय, पिछले कई वर्षों से लगातार बढ़ता जा रहा था, हालांकि जब से भाजपा

- इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह 2843 किलोमीटर लम्बा रेल्वे फ़्रेट कॉरिडोर राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिस पर 1.24 लाख करोड़ ₹. की लागत आई है।
- ज्ञातव्य है कि, वर्ष 2019 में चुनाव अभियान में भाजपा ने सड़क निर्माण में हुए विकास पर फोकस किया था।

सरकार सत्ता में आई है, परियोजना ने गति पकड़ ली है, और 1337 किलोमीटर लंबा ईस्टर्न फ्रेट कॉरिडोर (ई.डी.एफ.सी.) पूरा हो चुका है। वेस्टर्न फ्रेट कॉरिडोर, भी 2025 तक पूरा हो जाएगा।

भाजपा ने पहली लिस्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) कैलाश चौधरी, जालौर से लुम्बाराम चौधरी, उदयपुर से मन्नालाल रावत, बांसवाड़ा-डूंगरपुर से महेन्द्रजीत मालवीय, चित्तौड़गढ़ से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी, कोटा से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, झालवाड़ा-बारां से दुष्यन्त सिंह को टिकट दिया गया है। सात सीटों पर प्रत्याशी बदले गए हैं इनमें भरतपुर से रंजीता कोली की जगह रामस्वरूप कोली को, जालौर से देवजी पटेल की जगह लुम्बाराम को, बांसवाड़ा-डूंगरपुर से कनक मल कटारा की जगह कांग्रेस से आए महेंद्रजीत सिंह मालवीय को, अलवर से बालक नाथ की जगह भूपेंद्र यादव को, उदयपुर से अर्जुन लाल मीणा की जगह मन्नालाल रावत को, नागौर से राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आर.एल.पी.) के प्रमुख के हनुमान बेनीवाल की जगह ज्योति मिर्धा, चूरू से राहुल कस्वा की जगह देवेन्द्र झाझड़िया को टिकट दिया गया है।

चीन के जहाज को मुंबई में भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने रोका

इस जहाज में न्यूक्लियर वैपन लादकर पाकिस्तान भेजे जा रहे थे?

नई दिल्ली, 2 मार्च। चीन से पाकिस्तान जा रहे एक जहाज को मुंबई में रोक लिया गया है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि इस जहाज में कुछ ऐसा है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए किया जा सकता था। कस्टम अधिकारियों ने खुफिया जानकारी के आधार पर माल्टा के झंडे वाले रियाफिक जहाज सीएमए सी.जी.एम. अतिला को 23 जनवरी को बंदरगाह पर रोका। जांच के दौरान इसमें कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल (सीएनसी) मशीन भी मिली, जिसे एक इटैलियन कंपनी ने बनाया था।

सी.एन.सी. मशीनों को कंप्यूटर से कंट्रोल किया जाता है, ऐसा मैनुअली करना पॉसिबल नहीं है। डीआरडीओ की एक टीम ने भी जहाज में लदी खेप का निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि जहाज में लदी चीजों का इस्तेमाल पड़ोसी देश अपने परमाणु कार्यक्रम के लिए कर सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह इक्विपमेंट पाकिस्तान के मिसाइल विकास कार्यक्रम में

डी.आर.डी.ओ. की एक टीम ने भी जहाज में लदी खेप का निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि, जहाज में लदी वस्तुओं का इस्तेमाल पड़ोसी देश अपने परमाणु कार्यक्रम के लिए कर सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह इक्विपमेंट पाकिस्तान के मिसाइल विकास कार्यक्रम में महत्वपूर्ण हो सकता है।

इस जहाज में मुख्यतः सी.एन.सी. (कम्प्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल) सिस्टम की मशीनें रखी पाई गई हैं। इन मशीनों का इस्तेमाल उत्तरी कोरिया में न्यूक्लियर प्रोग्राम्स के लिए किया गया था।

महत्वपूर्ण हो सकता है। यह एक इंटरनेशनल आर्म कंट्रोल है, जिसका उद्देश्य नागरिक और सैन्य उपयोग दोनों के साथ उपकरणों के प्रसार को रोकना है। सीएनसी मशीनों का इस्तेमाल उत्तरी कोरिया में न्यूक्लियर प्रोग्राम्स के लिए किया गया था। मुंबई पोर्ट के अधिकारियों ने भारतीय सुरक्षा अधिकारियों को इस बारे में अलर्ट किया था। इसके बाद निरीक्षण किया गया और कंसाइनमेंट को सीज कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों की जांच में संकेत मिले हैं कि 22,180 किलोग्राम वजन की खेप ताइयुआन माइनिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड द्वारा भेजी गई थी। इसे कॉंसमांस इंजीनियरिंग के लिए पाकिस्तान ले जाया गया था। यह पहली बार नहीं है ब भारतीय बंदरगाह अधिकारियों ने चीन से पाकिस्तान भेजे जाने वाले इस तरह के दोहरे उपयोग वाले सैन्य-ग्रेड आइटम जब्त किए हैं।

गूगल के सी.ई.ओ. सुंदर पिचाई की कुर्सी खतरे में

■ ए.आई. प्रोग्राम को डवलप करने के अपने लक्ष्य से पिछड़ने के कारण मार्केट में गूगल की प्रतिष्ठा को हुये नुकसान की भरपाई के लिए कंपनी ऐसा कदम उठाने पर विचार कर रही है

नई दिल्ली, 2 मार्च। दिग्गज टेक कंपनी गूगल की परेंट कंपनी अल्फाबेट के भारतीय मूल के सी.ई.ओ. सुंदर पिचाई को हटाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। नवंबर 2022 जब “ओपन ए.आई.” ने

“चैट जी.पी.टी” रिलीज किया था तो गूगल पर दबाव बढ़ गया था। गूगल ने इसके जवाब में “जैमिनी” ने चैटबॉट जैमिनी लॉन्च किया। लेकिन इसे अच्छा रिसॉर्स नहीं मिल रहा है और यह एक तरह से हास्य का पात्र बनकर रह गया है। यही वजह है कि पिचाई पर दबाव बढ़ गया है। माना जा रहा है कि वह अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं या फिर कंपनी उन्हें निकाल सकती है। पिचाई 2022 में अमेरिका में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले सी.ई.ओ. थे। उन्हें 22.6 करोड़ डॉलर की सैलरी मिली। अगर भारतीय रुपयों में देखें तो वह करीब 18,84,39,13,900 रुपये बैठती है। यानी पिचाई की रोजाना की कमाई पांच करोड़ रुपये से अधिक रही।